जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 60 | अंक-12 | जयपुर, सोमवार, 25 मार्च, 2024 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपादित करने में पुलिसकर्मियों की भूमिका अहम है। प्रदेश के मतदाता बिना किसी लालच, हिचक और डर के अपना वोट दें, यह सुनिश्चित करना पुलिस का उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन-2024 निर्बाध रूप से सम्पन्न हो इसके लिए पुलिस विभाग अन्य विभागों के साथ आपसी सामंजस्य के साथ काम करे। साथ ही प्रदेश में संवेदनशील और क्रिटिकल बूथों की पहचान कर वहां शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए योजनाद्ध रूप से पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करें। गुप्ता आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए), जयपुर में आयोजित पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह संभावित अप्रिय हालातों के लिए पहले से ही तैयार रहे ताकि समय रहते उन्हें रोका जा सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए त्वरित आपसी संचार और सूचना तंत्र सुदृढ़ होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि त्वरित और सही दिशा में सूचनाओं के आदान-प्रदान से किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव के दौरान इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 40 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के सफल आयोजन के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा पुलिस अधिकारियों के लिए हैंडबुक भी जारी की गई है। इसमें पुलिस कर्मियों की सहायता के लिए चुनाव से संबंधित नियम, विधियां और दिशा-निर्देश शामिल किये गए हैं। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से इस हैण्डबुक को ध्यानपूर्वक पढ़ने तथा अनुसरण करने के लिए कहा। गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे प्रतिदिन लॉ ऑर्डर रिपोर्ट बनाकर आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि रेपिड एक्शन टीम धमकाने, घूसखोरी, साम्प्रदायिक संघर्ष और भ्रष्टाचार के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग के प्रयास किये जाने चाहिये, ताकि चुनाव प्रक्रिया का शांतिपूर्ण संपादन किया जा सके। पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य के साथ-साथ मतदाता होने के अपने कर्तव्य का भी पालन कर सकें, इसके लिए उन्हें डाक मतपत्र की सुविधा दी गई है। गुप्ता ने सभी अधिकारियों से ईवीएम प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और भंडारण संवेदनशील कार्य है, जिसे पूरी जिम्मेदारी से किया जाए। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (प्रशिक्षण) मालिनी अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश में चुनाव संपादित करने के लिए बड़ी संख्या में मानव संसाधन को नियोजित करना होता है।

उन्होंने कहा कि बेहतरीन संसाधन प्रबंधन से ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपादित करने में सफलता हासिल की जा सकती है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉ एण्ड ऑर्डर) विशाल बंसल ने कहा कि पुलिस आदर्श आचार संहिता की पालना किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि चुनौतिपूर्ण और संवेदनशील बूथों पर पुलिस की विशेष व्यवस्था की जाए। पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुमार टांक ने अधिकारियों को सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए प्रत्येक बूथ पर आवश्यकता अनुसार योजनाबद्ध तरीके से पुलिस तैनाती किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

हथियारधारी पूर्व सैनिकों की आम सभा का हुआ आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर स्थित रूप लक्ष्मी गार्डन में हथियारधारी पूर्व सैनिकों की आम सभा का आयोजन किया गया । जिसमें पूर्व सैनिकों को आ रही समस्याओं पर मंथन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक शमशेर सिंह चौहान एवं इनकी टीम के द्वारा मिलन समारोह में आए हुए अतिथियों का मान सम्मान किया गया। इस दौरान पूर्व सैनिक गनमैन गार्ड कल्याण संघ के संस्थापक भवानी सिंह लोहरवाड़ा, संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत, उपाध्यक्ष पदम सिंह शेखावत, संगठन मंत्री राजेंद्र सिंह महरौली, जोधपुर संभाग के अध्यक्ष पूनम सिंह चौहान, सीकर संभाग के अध्यक्ष अमर सिंह पवार, संघ के मीडिया प्रभारी महेंद्र सिंह खेजरोली, संघ के सलाहकार मोहनलाल और रेवत सिंह शेखावत, भारतीय स्टेट बैंक से पांचू राम मीणा कार्यक्रम में पधारे।

संघ के अध्यक्ष कैप्टन नाथावत की अध्यक्षता में जयपुर जिला अध्यक्ष के रूप में गोपाल सिंह राठौड़ को नियुक्त किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष का उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों ने जोश और उत्साह के साथ मान सम्मान किया तथा पूर्व सैनिक गनमैन गार्ड कल्याण संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत का भी सभी पूर्व सैनिकों ने पुष्प वर्षा करके एवं माला पहनाकर बड़े ही जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया ।

इस दौरान राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से पधारे हुए पूर्व सैनिकों ने इस प्रकार के आयोजन आगामी समय में विशाल रूप से करने के लिए रणनीति तैयार की। जोधपुर संभाग के अध्यक्ष पूनम सिंह चौहान ने सभा को संबोधित किया और अपने अनुभव के माध्यम से उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों को जानकारी दी।

पूर्व सैनिक गनमैन गार्ड कल्याण संघ के संस्थापक भवानी सिंह लोहरवाड़ा ने आम सभा में पधारे हुए सभी पूर्व सैनिक एवं कार्यक्रम के आयोजकर्ताओं को एवं विशेष रूप से शमशेर सिंह चौहान एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

लोकेश बुनकर राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ युवा स्वयंसेवक के तौर पर हुए सम्मानित

जयपुर (हमारा वतन)। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय संस्थान नेहरू युवा केंद्र संगठन जयपुर राजस्थान द्वारा राज्य स्तरीय हिंदी राजभाषा सम्मेलन का आयोजन पत्र सूचना कार्यालय सभागार विद्याधर नगर जयपुर में किया गया । शाहपुरा ब्लॉक के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक लोकेश बुनकर को सामाजिक क्षेत्र में अच्छे कार्य करने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रितु शुक्ला अपर महानिदेशक पत्र सूचना कार्यालय जयपुर ने नेहरू युवा केंद्र के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी राजभाषा को हमें अपने आचरण विचारों में हिंदी को अहम रूप से रखना चाहिए एवं युवाओ को ज्यादा से ज्यादा महापुरुषों की जीवनिया किताबें पढ़नी चाहिए । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र बोड़ा वरिष्ठ पत्रकार एवं सचिव एस.आर.सी जयपुर ने अपने उद्बोधन में युवाओं को संबोधित करते हुए कहां की हिंदुस्तान युवाओं का देश है यह जमाना युवाओं का है और हिंदी हमारी भाषा है हिंदी भाषा का महत्व बताते हुए कहा की हिंदी को स्कूलों में पढ़ाई करने के बाद में भी युवा लापरवाह हो गए हैं पढ़ने की लत को मोबाइल की वजह से छोड़ रहे हैं।

महेंद्र सिंह सिसोदिया ने स्वागत भाषण देते हुए राज्य स्तरीय राजभाषा सम्मेलन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की एवं बताया कि इस सम्मेलन में नेहरू युवा केंद्र संगठन के जिला युवा अधिकारी, लेखा कार्यक्रम सहायक एव युवा स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं । राजभाषा सम्मेलन गुरदयाल सिंह सदस्य सचिव नाराकास एवं राजभाषा अधिकारी उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा राजभाषा नीति अधिनियम नियम आदेशों पर विस्तार से जानकारी दी गई ।

मंच संचालन मंगल राम जाखड़ जिला युवा अधिकारी चूरू ने किया एवं प्रदीप कुमार जिला युवा अधिकारी डूंगरपुर ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया । इस दौरान जयपुर जिले के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी से डॉ. सोनी ने दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में अपनी ड्यूटी लगाने का किया अनुरोध

उत्तराखंड (हमारा वतन)। उत्तराखंड में उन्नीस अप्रैल को होने जा रहे लोकसभा सामान्य निर्वाचन के लिए शिक्षकों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण शुरु हो गया है। जिसमें विगत तीस वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व पौधे उपहार में देने के क्षेत्र में कार्य कर रहे राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा (सकलाना) में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत वृक्षमित्र के नाम से मशहूर पर्यावरणविद् डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी की ड्यूटी पीठासीन अधिकारी में लगी है। नगर पालिका सभागार नई टिहरी प्रशिक्षण में पहुंचे डॉ. सोनी ने जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर अपनी ड्यूटी जनपद के किसी भी विकासखंड के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में लगाने का अनुरोध किया है। वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने कहा कि हमारा बचपन गांव में गुजारा है अगर हम ही गांव में चुनाव कराने नही जाएंगे तो कोई बाहरी राज्य से आकर हमारे गांव में चुनाव कराने क्यों जाएगा। मुझे शिक्षा विभाग में कार्य करते हुए 26 वें वर्ष चल रहा है और मैंने अपनी पूरी सेवा दुर्गम के विद्यालयों में की है और कर रहा हूं। चुनाव के बहाने हमें अपने गांव के लोगों से मिलने का मौका मिलता है । अपने बचपन की यादें ताज़ी होती हैं, इसलिए में गांव के दूरस्थ क्षेत्र में अपनी ड्यूटी करना चाहता हूं। इसे मैं एक उत्सव के रूप में मनाता हूं। मैंने जिला निर्वाचन अधिकारी से अपनी ड्यूटी जनपद के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में लगाने का अनुरोध किया है । मुझे विश्वास है मेरे अनुरोध को स्वीकारते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेरी ड्यूटी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में लगायेंगे।

भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने की फैशन शो में शिरकत

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने वैशाली नगर स्थित बंसल टावर में फैशन शो का भारतीय संस्कृति के अनुसार गणेश भगवान की विधि विधान से पूजा करके आरती करके दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारंभ किया । विभिन्न मॉडल्स ने परिधानों का प्रदर्शन किया ।

स्टाइल ओन लाइफ स्टाल पत्रिका का भी शुभारंभ किया। अमन वर्मा व राज शर्मा ने पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान डी.जी साइबर क्राइम डॉ.रवि प्रकाश मेहरड़ा , अंकित बबेरवाल

अध्यक्ष डीक्की राज, महावीर सोनी गठजोड़ फिल्म के डायरेक्टर ज्योतिषाचार्य, दीपक, राहुल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष बेटी फाउंडेशन, विशाल गोयल,भारत जायसवाल ,पवन टांक, कबू मेहता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

आर एन नोवाल फाउंडेशन द्वारा आयोजित निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

चौमूं (हमारा वतन)। आर एन नोवाल फाउंडेशन द्वारा खाटू श्याम जी मेला पदयात्रियों के लिए 15 मार्च से लगाए जा रहे निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर एवं आयुर्वेदिक औषधि एवं दर्द निवारक तेल वितरण शिविर का समापन हुआ । शिविर के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर चौमूं से रींगस के बीच में तीन जगह पर लगाया गया । इसमें श्याम जी मेला के पद यात्रियों के पैरों को गर्म पानी से धोना, तेल की मालिश करना, लपेट लगाना, एक्यूप्रेशर एवं चुंबक चिकित्सा द्वारा इलाज किया। आर एन नोवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष रामनिवास नोवाल ने बताया कि शिविर में 26 व्यक्तियों की टीम अपनी सेवाएं दे रही थी तथा 227 लीटर दर्द निवारक तेल का वितरण किया गया । श्याम जी के पदयात्रियों के लिए शिविर में अल्पाहार की व्यवस्था एवं फलाहार की व्यवस्था भी की गई।

नई पीढ़ी को लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों को बताना जरूरीः मुख्यमंत्री

जयपुर (नि.सं.)। लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान को इतिहास में लिखा जाएगा यह कहना है मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का। सीएम शर्मा ने गुरुवार को अखिल भारतीय लोकतंत्र सेनानी संघ राष्ट्रीय अधिवेशन विजय दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। बिड़ला ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र को बचाने का काम किया था। 25 जून 1975 का दिन रोंगटे खड़े करने वाला था। उस दौर में सत्ता के मदहोश लोगों ने लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया। कोर्ट, मीडिया सबका गला घोटा गया। मीडिया पर प्रतिबंध और विपक्ष को जेल में डाल दिया था। उस समय लोकतंत्र सेनानी संघ और लोकतंत्र रक्षा मंच से जुड़े लोगों ने बड़ी लड़ाई लड़ी थी। हमारी पूर्व सरकार ने कई सुविधा देने का काम किया था, लेकिन कांग्रेस ने इसे छिनने का काम किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने यातनाएं झेलते हुए लोकतंत्र को बचाया, उस दौर में इमरजेंसी के समय की स्थिति ने कठोर कानून बनाकर लोगों को प्रताड़ित किया गया। ऐसे में उनके बलिदान की पूर्ति आज कोई नहीं कर सकता। हमने उन्हें पेंशन और सुविधा देकर सम्मान देने का काम किया। पहली कैबिनेट में लोकतंत्र सेनानियों की रुकी हुई पेंशन को बहाल किया। भजनलाल शर्मा ने कहा कि घोषणा पत्र को तीन माह में 45 % पूरा किया। स्वतंत्रता सेनानियों ने 2014 से पहले के भारत की तस्वीर देखी है ऐसे में युवाओं तक यह मैसेज पहुंचाने के लिए नई पीढ़ी को लोकतंत्र सेनानियों के कार्यों और संघर्षों को बताना चाहिए। भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कहती है विरोधी हमारी ताकत होता है और उसी तरह आगे बढ़ते है। हालांकि उन्होंने विरोधियों की ताकत नहीं समझा और सत्ता से हाथ धोना पड़ा। प्रहलाद गुंजल भुक्तभोगी- किरोड़ीलाल मीणा जपा के वरिष्ठ नेता प्रहलाद गुंजाल के कांग्रेस जॉइन करने को लेकर यहां मीडिया से रूबरू होते हुए कैबिनेट मेंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये बहुत दुख की बात है, जिस कांग्रेस ने देश को बर्बाद किया, आपातकाल लगा दिया और इस सबके बावजूद खुद प्रहलाद गुंजाल भी भुक्तभोगी हैं, ऐसे में उनका कांग्रेस में जाना बेहद दुखद है।

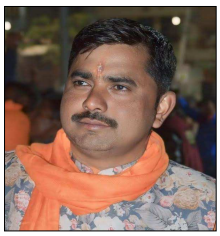

भगवा हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश संयोजक बने संजीव कुमार मिश्रा

जयपुर (हमारा वतन) । जयपुर निवासी संजीव कुमार मिश्रा को भगवा हिंदू युवा वाहिनी संगठन के राजस्थान प्रदेश संयोजक के पद पर संस्थापक एवं प्रमुख डॉक्टर कुलदीप सिंह अर्कवंशी ने नियुक्ति दी है। संजीव मिश्रा की नियुक्ति पर हिंदू संगठनों ने खुशी जताई है और कहा है कि सनातन धर्म और संगठन की मजबूती में अपना पूर्ण योगदान देंगे।

कैप्टन श्रीराम शर्मा उत्कर्ष कार्यों के लिए हुए सम्मानित

जयपुर (हमारा वतन)। विश्व ब्राह्मण महासभा ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी डॉ. अनीता योगेश्वरी ने ब्राह्मण समाज राजस्थान के गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी कैप्टन श्रीराम शर्मा को सामाजिक सरोकार के उत्कृष्ट कार्यों के लिए दुपट्टा एवं मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया ।

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी डॉ. अनीता ने बताया कि कैप्टन श्रीराम शर्मा के सामाजिक सरोकार के कार्य को देखकर इन्हें सम्मानित किया तथा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं । इस दौरान द्वारका प्रसाद भारद्वाज एवं रतन तिवाडी भी उपस्थित रहे ।

(कविता)

होली त्योहार

होली भारत रो है प्रचलित त्योहार
जो आवे है फागण मायीं हर बार
होली त्योहार रा लोग देखता सपना
कद खेले होली
पड़ोसी, सगला अपना
दीपक दिवाली री पहचान बतावे
पर रंग होली री पहचान बतावे
होली जद भी आवे राधा
कृष्ण की याद दिलावे
सगला एक दूजे सूँ गले
मिल बधाईयां गावे
प्रेम रंग लगाबा री मन
में कई आस लगावे
आओ ए सखियां चलो कोई चाल
कैसा लगावाँ सगला ने रंग
आसमान में तो सूर्य रो सतरंग है
छावे म्हारी धरती ने रंगवा
तो होली त्योहार आवे
जब होली रो त्योहार है आवे
तो देश री धरती रंगारंग हो जावे

-पूजा गाड़िया लोहार, झालावाड़

मिलावट के खिलाफ अभियान : दूध मण्डी में 21 प्रतिष्ठानों से लिए 47 नमूने

जयपुर (हमारा वतन)। होली के त्योहार के दृष्टिगत आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय की ओर से मिलावट पर रोकथाम के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जयपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई कर 47 नमूने लिए गए।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि दूध मण्डी, शास्त्रीनगर में संचालित 21 प्रतिष्ठानों एवं पनीर बनाने की इकाइयों पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने औचक निरीक्षण किया। इन प्रतिष्ठानों से पनीर, मावा एवं घी के 47 नमूने लेकर मौके पर ही मोबाइल लैब के माध्यम से जांच करवाई गई। जांच में घी के एक नमूने में मिलावट पाई गई। घी, मावा एवं पनीर के 5 नमूने संदिग्ध पाए गए। संदिग्ध खाद्य पदार्थों के कुल 9 लीगल नमूने लिये गये। बालाजी पनीर हाउस में घी का नमूना बीटी टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने पर 20 किलो घी जब्त किया गया। आरके डेयरी एवं दीपक डेयरी पर कमियां पाई जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत इम्प्रूवमेन्ट नोटिस दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि दीपक डेयरी से घी एवं पनीर का नमूना, बालाजी डेयरी से घी का नमूना, राहुल फेस फार्म से घी, धाभाई पनीर उद्योग एवं आर.के. डेयरी से पनीर एवं मावा के नमूने जांच हेतु लिए गए। इन नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला में जांच हेतु भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य एवं सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा स्वयं मौके पर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि होली के त्योहार के मद्देनजर प्रदेशभर में सघन अभियान चलाकर मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे को बनाया राजस्थान का चुनाव प्रभारी

सह प्रभारी भी बनाए गए, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाया

जयपुर(नि.सं.)। लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे को प्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर और सांसद प्रवेश वर्मा को राजस्थान में सह-प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही राजस्थान बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को पार्टी ने हरियाणा में चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को प्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया था। अब प्रह्लाद जोशी खुद कर्नाटक की धारवाड़ सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे है। ऐसे में बीजेपी ने संगठन का लंबा अनुभव रखने वाले डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे को राजस्थान में चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। मूलतः महाराष्ट्र से आने वाले डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे वर्तमान में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य हैं। इससे पहले वे महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर भी उन्होंने काम किया है। उन्हें पार्टी का थिंक टैंक भी माना जाता है।

डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे | विजया रहाटकर | प्रवेश वर्मा

जॉब्स-

1. आरआरबी, पद टेक्नीशियन, पद संख्या 9144, अंतिम तिथि 8 अप्रैल 2024
2. डीएसएसएसबी, पद सफाई कर्मचारी, ड्राइवर, चौकीदार व अन्य, पद संख्या 556, अंतिम तिथि 18 अप्रैल 2024
3. बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, पद हेड कांस्टेबल एसआई, पद संख्या 82, अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2024
4. पंजाब पुलिस, पद कांस्टेबल, पद संख्या 144, अंतिम तिथि 4 अप्रैल 2024
5. सीबीएसई, पद विभिन्न पद, पद संख्या 118, अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2024
6. राजस्थान स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड, पद जूनियर इंस्ट्रक्टर, पद संख्या 1821, अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2024
7. इंडियन बैंक, पद स्पेशलिस्ट ऑफिसर, पद संख्या 146, अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2024
8. एसएससी, पद एसआई सीपीओ, पद संख्या 4187, अंतिम तिथि 28 मार्च 2024

बॉलीवुड चटकारा

'तुमने तो महाभारत का सत्यानाश कर दिया' एकता कपूर पर भड़के मुकेश खन्ना; कपिल शर्मा को भी नहीं बख्शा

मुकेश खन्ना ने लेटेस्ट इंटरव्यू में फिर से एकता कपूर पर भड़ास निकाली है। उनका कहना है कि एकता ने महाभारत को बर्बाद कर दिया। इसके अलावा उन्होंने कपिल शर्मा की भी आलोचना की।मुकेश खन्ना के सीरियल शक्तिमान पर फिल्म बनने जा रही है। अभी तक एक्टर के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। ऐसी चर्चा थी कि रणवीर सिंह लीड रोल कर सकते हैं लेकिन मुकेश खन्ना ने इससे इनकार किया। उन्होंने एक पोस्ट लिखकर कहा कि उनके जैसी इमेज वाला एक्टर यह नहीं कर सकता। अपने यूट्यूब चैनल पर भी वह बेबाक राय रखते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने एकता कपूर और कपिल शर्मा पर भड़ास निकाली। एकता कपूर के महाभारत को लेकर वह पहले भी उनकी आलोचना करते रहे हैं।

बेबाक तरीके से रखते हैं राय-मुकेश खन्ना ने डिजिटल कमेंट्री से बात करते हुए एकता कपूर को लेकर कहा, मैं बेबाक तरीके से बोल जाता हूं जबकि बाकी लोग नहीं बोलते हैं। आगे उन्होंने कहा, मैंने ड्रग्स के खिलाफ बोला, किसी ने पोर्नोग्राफी बनाई मैंने उसके खिलाफ बोला, कोई भी बात इंडस्ट्री में बुरी होती है, धर्म के खिलाफ बनाते हो, जैसे अक्षय कुमार की लक्ष्मी बम थी, तो मैं उसके खिलाफ बोल जाता हूं।

एकता कपूर पर बोले-एक्टर कहते हैं, मैं एकता कपूर के खिलाफ बोल गया तो कल को एकता कपूर फिल्म बनाएगी मुझे नहीं लेगी। मैं उससे बाहर हूं। मुझे हाथ फैलाना नहीं आता। तू क्या देगी कामचोर, तूने तो महाभारत का सत्यानाश कर दिया। अब ये बात बोलने का दम किसी और एक्टर में नहीं है। अजय (देवगन) के खिलाफ, शाहरुख खान के बेटे के खिलाफ... मुझे लगता है कि मैं थोड़ा मूर्ख हूं। मुझे अब कोई एम्बिशन नहीं है।

कपिल के शो से बनाई दूरी-कपिल शर्मा के शो में महाभारत की पूरी टीम गई थी लेकिन मुकेश खन्ना नहीं गए थे। इस पर उन्होंने कहा, वह (कपिल) राम की इज्जत नहीं करता तो भीष्म पितामह की क्या करेगा। मुझे उसका सवाल पसंद नहीं आया था जब अरुण गोविल से कहा कि देखो-देखो ये राम भी वीआईपी अंडरवियर पहनता है। इसलिए मैं नहीं गया। कपिल ने मेरे खिलाफ कुछ नहीं बोला लेकिन अधर्मवीर (गजेंद्र चौहान) ने मेरे खिलाफ बोला। मैंने कहा तुम तो पैसेंजर हो तुम क्यों बोल रहे हो।

सारा अली खान बोलीं- सेक्युलर फैमिली में जन्मी हूं, सरनेम पर सवाल उठने से नहीं पड़ता है फर्क

सारा अली खान को मंदिर जाने पर अक्सर ट्रोल किया जाता है। अब उन्होंने इस ट्रोलिंग का जवाब दिया है। सारा का कहना है कि वह सेक्युलर फैमिली और प्रजातांत्रिक गणतंत्र में जन्मी हैं।सारा अली खान हिंदू मां अमृता सिंह की बेटी हैं। उनके पिता सैफ अली खान हैं। सारा को अक्सर मंदिरों में देखा जाता है। वह दरगाह पर भी सिर झुकाती हैं। उनकी धार्मिक आस्था पर कई बार ट्रोलिंग हो चुकी है। खान सरनेम होने के बाद भी वह केदारनाथ जाती हैं। इन सब सवालों पर सारा का कहना है कि जब कोई धर्म से जुड़े सवाल उठाता है तो उन्हें फर्क नहीं पड़ता।

अपनी चॉइस पर नहीं है कोई शर्म-सारा अली खान की मां अमृता सिंह का सैफ अली खान से तलाक हो चुका है। वह अपनी मां के साथ रहती हैं और पिता का सरनेम यूज करती हैं। सारा से पूछा गया कि उनके सरनेम या उनकी फैमिली ट्री पर सवाल उठते हैं। इस पर सारा बोलीं, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मेरी धार्मिक आस्था, मैं क्या खाती हूं, मैं एयरपोर्ट पर कैसे जाती हूं, ये मेरे फैसले हैं और मैं इसके लिए कभी शर्मिंदा नहीं हो सकती।

बेमतलब नहीं करतीं क्रांति-सारा ने कहा कि उन्हें इन सब बातों से फर्क नहीं पड़ता, फर्क तब पड़ता है जब दर्शकों को उनका काम पसंद नहीं आता। सारा बोलीं कि उन्हें किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत कभी नहीं पड़ी क्योंकि बेमतलब में बोलने पर यकीन नहीं करतीं। मैं सेक्युलर परिवार और एक सोवेरियन, सेक्युलर और प्रजातांत्रिक गणतंत्र में पैदा हुई हूं। बेमतलब की क्रांति नहीं करनी पड़ी।

Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

HOLI
हानिकारक रंगों से त्वचा बालों को ऐसे बचाएं

होली हम सभी के लिए खुशियां, मस्ती, रोमांच और उत्साह लेकर आती है, लेकिन रंगों के इस त्योहार में रंग खेलने का जितना उमंग होता है, उससे कहीं ज्यादा रंग छुड़ाने का टेंशन रहता है।

रंगों में होता है हानिकारक रसायन

दरअसल, 'बुरा न मानो होली है'कहकर रंग फेंकने वाले अल्हड़ युवक-युवतियों की टोलियां अपनी पिचकारी व गुब्बारों में जो रंग इस्तेमाल करते हैं या रंजक व गुलाल का प्रयोग करते हैं, उनमें अभ्रक, शीशा जैसे हानिकारक रसायनिक पदार्थ मिले होते हैं। इनसे त्वचा रुखी और बेजान हो जाती है, बल झड़ने लगते हैं और त्वचा में जलन शुरू हो जाती है लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। आप दिल खोलकर होली खेल सकते हैं और रंगों के हानिकारक प्रभावों से बच सकते हैं। यही नहीं, रंग छुड़ाने का टेंशन भी नहीं रहेगी बस इसके लिए आपको बस थोड़े से उपाय करने होंगे। आमतौर पर लोग खुले में रंग खेलते हैं, जिससे सूर्य की गर्मी से भी त्वचा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। खुले आसमान में हानिकाक पराबैंगनी किरणों के साथ-साथ नमी की कमी से त्वचा के रंग में कालापन आ जाता है। होली खेलने के बाद त्वचा निर्जीव बन जाती है इससे बचने के लिए होली खेलने से 20 मिनट पहले त्वचा पर 20 एस.पी.एफ. सनस्क्रीन का लेप कीजिए। यदि आपकी त्वचा पर फोड़े, फुंसियां आदि है तो 20 एसपीएफ से ज्यादा सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिए। ज्यादातर सनस्क्रीन में माइस्चराईजर ही विद्यमान होता है। यदि आपकी त्वचा अत्यधिक शुष्क हैं तो सनस्क्रीन लगाने के बाद थोड़ा इंतजार करें और फिर त्वचा पर मॉइस्चराइजर का लेप करें। बाहों व शरीर के सभी खुले अंगों पर मॉइस्चराइजर लोशन या क्रीम का उपयोग करें।

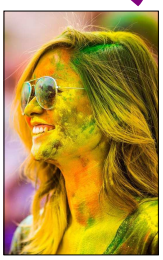

होली खेलने से पहले करें ये उपाय होली खेलने से पहले सिर में बालों पर हेयर सीरम या कंडीशनर का उपयोग करें। इससे बालों को गुलाल के रंगों की वजह से पहुंचने वाले सूखेपन से सुरक्षा मिलेगी तथा सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाव मिलेगा। आजकल बाजार में सनस्क्रीन सहित हेयर क्रीम आसानी से उपलब्ध हो जाती है। थोड़ी से हेयर क्रीम लेकर उसे दोनों हथेलियों पर फैलाकर बालों की हल्की-हल्की मालिश करें। इसके लिए आप शुद्ध नारियल तेल की बालों पर मालिश भी कर सकते है। इससे भी रासायनिक रंगों से बालों को होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है।होली के रंगों से नाखूनों को बचानें के लिए नाखूनों पर नेल वार्निश की मालिश करनी चाहिए। होली खेलने के बाद त्वचा तथा बालों पर जमें रंगों को हटाना काफी मुश्किल कार्य है। उसके लिए सबसे पहले चेहरे को बार-बार साफ पा से धोएं तथा इसके बाद कलींजिंग क्रीम या लोशन का लेप कर लें तथा कुछ समय बाद इसे गीले काटन वूल से धो डालें। आंखों के ईद गिर्द के हिस्से को हल्के-हल्के साफ करना न भूलें। क्लींजिंग जैल से चेहरे पर जमे रंगों को धुलने तथा हटाने में काफी मदद मिलती है।

होली के दिन क्या करें या क्या न करें

होलिकाग्नि की राख का विशेष महत्व है। यहां जानिए इस राश को माथे पर लगाने का सही तरीका

होली, रंगों भरी खुशियों का त्योहार है। इस दिन हर एक दूसरे पर रंग लगाने की परंपरा सदियों से जारी है। वहीं होली का धार्मिक महत्व भी कम नहीं है। ज्योतिषाचार्य भी बताते हैं कि इस दिन कौन-से खास उपाय करने से सालभर सुख, शांति तथा समृद्धि बनी रहती है। इसी क्रम में यह जानना भी जरूरी हो जाती है कि होली के दिन क्या करें और क्या न करें। यहां पढ़िए इसी बारे में।

❐ होली के दिन प्रातःकाल हींग के पानी से कुल्ला करना चाहिए।

❐ प्रातः काल उठते ही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दी गई वस्तु नहीं खानी चाहिए। जो व्यक्ति आपसे मन ही मन विद्वेष भाव रखता हो, उसके द्वारा दी गई वस्तु को नहीं रखना, उसके द्वारा दी गई वस्तु का सेवन करने से बचना चाहिए।

❐ होलिका दहन की रात घर के सभी सदस्यों को सरसों का उबटन बनाकर पूरे शरीर पर मालिश करना चाहिए। इससे जो भी मैल निकले उसे होलिकाग्नि में डाल दें। ऐसा करने से जादू, टोने का असर समाप्त होता है और शरीर स्वस्थ रहता है।

❐ गाय के गोबर में जौ, अरसी, कुश मिलाकर छोटा उपला बना लें। इसे घर के मुख्य दरवाजे पर लटका दें। ऐसा करने से नजर दोष, बुरी शक्तियों, टोने-टोटके से घर और घर में रहने वाले लोग सुरक्षित रहते हैं।

❐ होली की राख को घर के चारों ओर और दरवाजे पर छिड़कें। ऐसा करने से घर में नकारात्मक शक्तियों का घर में प्रवेश नहीं होता है। माना जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

❐ होलिका दहन के बाद अगली सुबह यानी धुरेड़ी के दिन होलिकाग्नि की राख को माथे पर लगाएं। इसे लगाने का सही तरीका है बायीं ओर से दायीं ओर तीन रेखा खींचें।इसे त्रिपुण्ड कहते हैं।

❐ इसे लगाने से 27 देवता प्रसन्न होते हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि पहली रेखा के स्वामी महादेव हैं, दूसरी रेखा के महेश्वर और तीसरी रेखा के शिव। होलिका दहन की पूजा करना और शामिल होना अच्छा माना गया है। हालांकि धर्म-शास्त्रों में कुछ खास लोगों को होलिका दहन की अग्नि देखने की मनाही है। यह नियम नवविवाहित युवतियों के लिए है। दरअसल होलिका दहन की आग को जलते हुए शरीर का प्रतीक माना जाता है। यानी आप पुराने वर्ष के शरीर को जला रहे हैं। इस कारण नवविवाहित लड़कियों को होलिका दहन की अग्नि नहीं देखनी चाहिए। कहा जाता है कि इससे वैवाहिक जीवन में परेशानी आने लगती है।

होली के रंग स्वदेश के संग

होली आयी- होली आयी,
ले अबीर की झोली आयी।
आज न कोई राजा रानी,
आज न कोई पंडित अज्ञानी।
आज न कोई शत्रु - मित्र,
आज न कोई सौम्य गुमानी।
मिलजुल कर सब खेले होली,
है आपस में सब भाई-भाई।
होली आयी होली आयी,
ले अबीर की झोली आयी।
आज न कोई धनी रंक,
आज न कोई भिक्षुक दानी।
आज न कोई अग्रज अनुज,
आज न कोई चोर - इमानी।
आज न कोई अपना पराया,
आज न कोई गैर खानदानी।
आज न कोई जाति विजातीय,
आज न कोई मजहब की बानी।
हिन्दू मुस्लिम सिक्ख इसाई,
आपस में सब भाई - भाई।
होली आयी होली आयी,
ले अबीर की झोली आयी।
आज न कोई ऊच नीच,
आज न कोई बड़प्पन नादानी।
आज न कोई पक्ष - विपक्ष,
आज न कोई राजनीतिक बानी।
आज न कोई छूत - अछूत,
आज न कोई पाखण्डी विज्ञानी।
जन - जन में मदमस्ती छाई,
तन - मन में है रंग समाई।
होली आयी होली आयी,
ले अबीर की झोली आयी।

-विजय मेहंदी, जौनपुर (उ.प्रदेश)

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

रंग जिनसे कोई मुक्ति नहीं चाहता

भारत के सभी त्योहारों में होली का अलग महात्म्य है। बसंत पंचमी, यानी माघ की शुक्ल पंचमी से ही बसंत का आगमन माना जाता है, जो उल्लास, आशा और प्रेम का संचार कर जाता है। कठिन श्रम से निखरी रबी की फसल जब खेत में पककर तैयार हो जाती है, आमों में बौर आ जाते हैं, मादक बयार बहने लगती है, कोयल कूकने लगती है, ऐसे में कंठ से स्वर लहरियां स्वत: फूटने लगती हैं। धमार, डेढ़ ताल, चौताल, फाग, उलारा, चौता की अनुगूंज उत्सव का माहौल रच देती है। बसंत पंचमी से ही गांव-गांव में फाग या फगुआ की तान सुनाई देने लगती है। लोग एक स्थान पर एकत्रित होकर ढोलक, मृदंग, करताल, झांझ बजाते हुए फाग व होरी गाते हैं। कभी किसी पेड़ के नीचे, कभी खेत के किनारे, तो कभी किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के द्वार के सामने, अवध नगरिया छाई रे बहरिया/ भल रंग खेलैं, होरी चारों भइया/ केसर भरी कंचन पिचकारी हांथन राम के सोहे/ रंग रंगीली होली खेलैं सब के हृदय बसैया इस दौरान हमारे आराध्य कभी फाग के गीतों में रंग उड़ाते, कभी ढोलक बजाते, तो कभी नृत्य करते दिखाई देते हैं। पूरे उत्तर भारत में गाया जाने वाला उलारा होली खेलें रघुबीरा हो या आज बिरज में होली मोरे रसिया इन गीतों को गाते हुए जन-साधारण को अपने इष्ट राम और कृष्ण बहुत अपने से लगने लगते हैं। ढोलक बजाते राम और मंजीरा बजाते लक्ष्मण, मानो अपने में से कोई एक हो, अयोध्या के राजा राम नहीं। राधा को रंगने की योजना बनाते श्रीकृष्ण उनको अपने अंतर्मन में ऐसे बसाते हैं, जैसे कान्हा घर का ही कोई तरुण हो, गीता का ज्ञान देने वाला योगेश्वर नहीं। राम और कृष्ण, दोनों ही भारतीय लोक के हृदय में विराजमान हैं। वे इष्ट भी हैं और लोक नायक भी। अत: पर्व-उत्सव उनके बिना अधूरे ही हैं। अवध में यदि राम और सिया फाग खेलते हैं, तो बृज में राधा और कृष्ण। बिरज में होली कैसे खेलूं रे सांवरिया के संग/ अबीर उड़ते, गुलाल उड़ते उड़ते सातों रंग/ भर पिचकारी सन्मुख मारी सखियां हो गईं तंग/ तबला बाजै सारंगी बाजै और बाजै मृदंग/ कान्हा जी की बंसी बाजै राधा जी के संग यहां तक कि महादेव भी फाग खेलते दिखते हैं। कभी गौरा जी के साथ, तो कभी श्मशान में भस्म लपेटे, नर मुंडों से खेलते हुए, जीवन के शाश्वत सत्य का परिचय कराते हुए- आजु सदाशिव खेलत होरी/ जटा जूट में चंद्र विराजे, अंग भभूत रमोरी/ लेइ गुलाल संभु पर डारत, रंग में तन मन बोरी/ भइल लाल सब देह संभु के, गण सब करत ठिठोरी। होली ही एकमात्र पर्व है, जिसमें आज भी ग्राम गीतों की टेर सुनाई देती है। नगर, महानगर और बहुखंडी अट्टालिका में रहने वाले शहरी जीवन शैली में ढले लोगों को आज भी होली के पारंपरिक गीत उसी कालखंड में ले जाते हैं, जहां पनघट पर जाती नायिकाओं को रंगने की योजना बनाते किशोर छिपे खड़े हैं। जहां टेसू के फूलों से बने केसरिया रंग की पिचकारी से वातावरण केसरिया हो गया है। जहां आज भी किसान झूम-झूमकर चौता गाते हैं और घूंघट की ओट से सलज्ज ग्राम वधुएं प्रत्युत्तर में फाग गाती हुई झूमती हैं बरजोरी करो न मोसे होरी में/ जा रे बावर ढीठ लंगरवा/ बतरस तोरी रस घोरी रे बरजोरी।लोक जीवन में पर्वों-उत्सवों के प्रति एक आंतरिक और नैसर्गिक उल्लास पाया जाता है, जो नगरीय जीवन में देखने को नहीं मिलता। वैसे ही, जैसे नगरीय जीवन में पलाश का वृक्ष नहीं दिखता।पक्षियों की बोली नहीं सुनाई देती, नदी का बहाव नहीं दिखता, और सबसे बड़ी बात, रमने की प्रवृत्ति नहीं मिलती, रमे बिना आनंद कहां? उत्सव वही है, जहां आनंद है। आनंद के लिए निश्छल मन चाहिए। जो आज भी कृषक समाज में ही दिखता है। उनके लिए होली इसीलिए महत्वपूर्ण है। फाल्गुन मास तक आते-आते कृषक समाज धनधान्य से पूर्ण हो गया होता है, शीत का प्रकोप कम हो गया होता है, फसल पक चुकी होती है, इसलिए काम का बोझ भी कम है, ऐसे में किसान हर रात अलाव जलाकर उसके समीप बैठकर गाते हैं। गांव-गांव में लोककंठों से बसंती बयार में श्रृंगार भाव से सिक्त गीत सुनाई देते हैं- रंग डारो, रंग डारो, गोरी बैठी है घूंघट निकाल मुंह पे रंग डारो।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

27 और 28 सितंबर को गुलाबी नगरी में होगा शिखर

पधारो म्हारे देश के पोस्टर का किया विमोचन, विभिन्न देशों के आएंगे राजदूत

जयपुर(नि.सं.)। भारत के सांस्कृतिक मूल्यों और पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नार्ली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन की और से पधारो म्हारे देश शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्व पर्यटन दिवस पर 27 और 28 सितंबर को गुलाबी नगरी जयपुर में होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम का गुरुवार को पोस्टर लॉन्च डॉ. आचार्य लवभूषण ने किया। इस मौके पर फेडरेशन के संस्थापक अमरजीत नारली, सांस्कृतिक सचिव डॉ मनीषा सिंह और जयश्री खंगारोत मौजूद रही। नार्ली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन की सांस्कृतिक सचिव डॉ मनीषा सिंह ने बताया कि नार्ली ट्रूप अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन का दृष्टिकोण 4C' यानी जलवायु, समुदाय, संस्कृति और सहयोग पर आधारित है। नारली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन के तहत 12 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से पधारो म्हारे देश-भारत अभियान का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा, साथ ही भारत में विभिन्न देशों के दूतावासों के राजदूतों, भारत के सभी राज्यों के सांस्कृतिक और पर्यटन मंत्रियों, कॉर्पोरेट घरानों के सीईओ और अंतरराष्ट्रीय स्कूल प्रबंधन को पधारो म्हारो देश भारत अभियान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

नार्ली ट्रूप के संस्थापक अमरजीत नारली ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत के समृद्ध गौरवशाली इतिहास एवं प्राचीनतम ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण , भारतीय परंपराएं, रीति रिवाज, खान-पान, वेशभूषा, भारतीय संगीत, नृत्य, शास्त्र , आयुर्वेद पद्धति, कला एवं कौशल के साथ साथ भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से संपूर्ण विश्व को सराबोर करना है। नार्ली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन की यह पहल विश्व मे भारत की ओर से एकता और शांति का संदेश देगी। नार्ली ट्रूप के जयश्री खंगारोत ने बताया कि इस संबंध में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी से राष्ट्रीय सांस्कृतिक संवर्धन बातचीत की गई है । उन्होने घोषणा की कि सदुरु रितेश्वर जी महाराज को मुख्य संरक्षक, एवं गोपिकाश्री को इस अभियान के राजदूत बनाया गया है। जबकि डॉ. आचार्य लवभूषण जी को नार्ली ट्रूप ग्लोबल फेडरेशन से बड़ी जिम्मेदारी मिली है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ. शिल्पी सिंह शेखावत, डॉ. भास्कर स्वामी, वैदिक यादव, अरुण कुमार नायर और कुलदीप सिंह हिस्सा रहेंगे।

यूबीआई धोखाधड़ी केस : जयपुर में कई स्थानों पर सीबीआई की छापेमारी

जयपुर(नि.सं.)। सीबीआई ने 48.06 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर एक प्राइवेट कंपनी एवं उसके निदेशकों/प्रमोटरों और अन्यों सहित पांच आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इसी सिलसिले में सीबीआई टीम ने जयपुर में आरोपी व्यक्तियों के कारखाने/कार्यालय और आवासीय परिसरों सहित लगभग 5 स्थानों पर तलाशी ली है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के प्रवक्ता ने बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर जयपुर स्थित एक निजी कंपनी, उसके निदेशकों, गारंटरों तथा अन्य अज्ञातों सहित पांच आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस प्रत्याशी बोले

अशोक गहलोत मेरे काम से प्रभावित थे

मीणा ने कहा- जनता से मेरा जुड़ाव रहा है, दिल्ली तक नेता मेरे काम को जानते हैं

उदयपुर(वि.सं.)। उदयपुर लोकसभा चुनाव लड़ रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अधिकारी ताराचंद मीणा चुनावी मैदान में कूद पड़े है। उदयपुर कलेक्टर रहे मीणा पहली बार राजनीतिक मंच पर उदयपुर में दिखे। यहां पहुंचने पर कांग्रेसजनों ने उनका स्वागत किया। मीणा ने प्रशासनिक सेवा से राजनीतिक क्षेत्र में आने के बाद मीडिया से पहली बातचीत की। मुझे चेहरा बनाने में मेरी कार्यशैली, जनता से मेरा जुड़ाव ही अहम थे। जयपुर से दिल्ली तक के कांग्रेस नेता मुझे समझते थे और मेरे काम को जानते थे इसलिए मुझे उदयपुर से टिकट दिया। जब मैं यहां कलेक्टर था तब तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लेकर मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता यहां आते तो वे मेरे काम से प्रभावित हुए। जी-20 सम्मेलन सफल हुआ। कांग्रेस का नव संकल्प उदयपुर शिविर की रूपरेखा भी सबके सामने थी और ये सब कारण भी उसमें शामिल है।मीणा ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि कांग्रेस पार्टी ने मुझे इस योग्य समझा और मेरा चयन उदयपुर सीट के लिए किया।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलेक्स/विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
सह सम्पादक: सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा